RNI 70280/91 | हरियाणा का अग्रणी दैनिक

Email :dailypathakpaksh@yahoo.in (website : www.dailypathakpaksh.in) Ph. 01662-313525

पाठकपक्ष

वर्ष : 36 | अंक : 239
हिसार | सोमवार, 27 नवम्बर, 2023
फोन : 98964-72584, 92552-73410
मूल्य : 2.00 रूपए | पृष्ठ ६

हार्दिक पांड्या के बाद शुभमन गिल को मिली गुजरात टाइटंस की कप्तानी, फ्रेंचाइजी ने किया ऐलान

पाठकपक्ष न्यूज, नई दिल्ली, 27 नवम्बर : गुजरात टाइटंस ने अपने नए कप्तान के नाम की घोषणा कर दी है। हार्दिक पांड्या ट्रेडिंग विंडो के जरिए गुजरात से मुंबई इंडियंस में लौट गए हैं। सोमवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। इसी के साथ गुजरात ने भी अपने नए कप्तान की नियुक्त कर दी है। टीम ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अपना नया कप्तान बनाया है। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि, शुबमन गिल ने पिछले दो सालों में खेल के उच्चतम स्तर में काफी प्रगति की है। हमने उन्हें न केवल एक बल्लेबाज के रूप में बल्कि क्रिकेट में एक लीडर के रूप में भी परिपक्व होते देखा है।

गुजरात में बेमौसम बारिश से 20 लोगों की मौत, उफान पर नदियां, फसलें बर्बाद

पाठकपक्ष न्यूज

नई दिल्ली, 27 नवम्बर : गुजरात में बेमौसम बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। भारी बारिश के कारण जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को गुजरात के कई इलाकों में बारिश के साथ बिजली गिरने से करीब 20 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा कई एकड़ फसल बर्बाद हो गई। पश्चिमी राज्य में पूरे दिन गरज के साथ बड़े पैमाने पर बेमौसम बारिश हुई। जानकारी के मुताबिक मोरबी, राजकोट, सूरत, भावनगर, नवसारी में ओले गिरे हैं। बेमौसम भारी बारिश के कारण कई जगह नदियों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज रात भी कई जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

गृह मंत्री अमित शाह ने जताया दुख

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के एक अधिकारी के अनुसार, गुजरात के विभिन्न हिस्सों से अब तक बारिश की अलग अलग घटनाओं में 20 मौतें हो चुकी है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, गुजरात के विभिन्न शहरों में खराब मौसम और बिजली गिरने से कई लोगों की मौत की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है।

अब तक 20 लोगों की मौत

अधिकारियों के अनुसार बारिश के साथ बिजली गिरने और अलग अलग हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। सूरत में 2, बनासकांठा में 2, तापी में 2, भरूच में 2, द्वारका में 1, पंचमहल में 1, सुरेंद्रनगर में 1, अमरेली में 1, मेहसाणा में 1, अहमदाबाद ग्रामीण में 1, साबरकांठा में 1, बोटाद में 1 व्यक्ति की मौत हुई। वहीं, मेहसाणा के विजापुर और सूरत में पेड़ गिरने से एक-एक व्यक्ति की जान गई है।

बेमौसम की बारिश से फसलों को नुकसान

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, गुजरात के 251 तालुकाओं में से 220 में रविवार सुबह 6 बजे से 10 घंटों में 50 मिमी तक बारिश हुई। इससे सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बेमौसम की बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है।

मनोहर लाल सीएम ने श्री नाडा साहिब गुरूद्वारा पंचकूला में बहुमंजिला पार्किंग का उद्घाटन किया

पाठकपक्ष न्यूज

पंचकूला, 27 नवम्बर : मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने आज श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को सौगात देते हुए श्री नाडा साहिब गुरूद्वारा पंचकूला में बहुमंजिला पार्किंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ऐतिहासिक श्री नाडा सहिब गुरूद्वारा में शिश नवाकर आशीर्वाद लिया और देश व प्रदेशवासियों के कुशल श्रेम की कामना की। उनके साथ हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि देशभर में तीर्थ और धार्मिक स्थलों के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रसाद योजना चलाई जा रही है। इसी योजना के तहत स्वयं उन्होंने 27 अक्तूबर 2020 को इस बहुमंजिला पार्किंग का शिलान्यास किया था और आज ठीक 27 नवंबर को गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभअवसर पर उन्होंने इसे जनता को समर्पित किया है। लगभग 9500 वर्ग मीटर में बने इस पार्किंग के निर्माण पर 13 करोड़ 55 लाख 26 हजार रुपये की लागत आई है और इसमें 300 वाहन पार्क किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस पार्किंग के निर्माण से दूर दूर से आने वाले आगुंतकों और श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

महेंद्रगढ़ के पाली गांव के आठवीं कक्षा के होनहार छात्र मयंक ने केबीसी जूनियर में एक करोड़ का इनाम जीता, सीएम मनोहर लाल ने दी बधाई

पाठकपक्ष न्यूज

चंडीगढ़, 27 नवम्बर : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महेंद्रगढ़ के पाली गांव के, आठवीं कक्षा के होनहार छात्र मयंक ने कौन बने का करोड़पति (केबीसी) जूनियर में अपने ज्ञान और कौशल से 1 करोड़ रुपये की राशि जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने जीनियस बेटे के पिता से

फ़ोन पर बात कर उन्हें बधाई दी और मयंक के उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री की घोषणा बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ की दिशा में बड़ा कदम : कैप्टन भूपेन्द्र

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उस घोषणा का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने निजी व सरकारी कॉलेजों में लड़कियों की शिक्षा फ्री करने की बात कही है। पार्टी ने इसे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की दिशा में बड़ा कदम बताया है। पार्टी जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र, वीरचक्र ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि आज तक ऐसी बड़ी घोषणा किसी मुख्यमंत्री ने नहीं की है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पानीपत में ऐसी बड़ी घोषणा की है, जिससे प्रदेशवासी खुश है। उनकी इस घोषणा से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति मिलेगी और प्रदेश की बेटियां पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़ी होगी। मुख्यमंत्री की घोषणा का जिक्र करते हुए जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र, वीरचक्र ने बताया कि एक लाख 80 हजार रुपये तक की वार्षिक आय तक के परिवार की लड़कियों की कॉलेज (निजी और सरकारी) की शिक्षा फ्री होगी और जो फीस होगी वो सरकार वहन करेगी। इसके अलावा एक लाख 80 हजार से तीन लाख तक की वार्षिक आय वाले परिवार की लड़कियों की कॉलेज (निजी और सरकारी) की शिक्षा की आधी फ़ीस सरकार देगी। उन्होंने प्रदेश की बेटियों के हित में इतनी बड़ी घोषणा करने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है और कहा है कि प्रदेश सरकार की इस तरह की जनकल्याणकारी नीतियों का पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी के नेतृत्व में जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश की बेटियों के हित में बड़ी घोषणा की है, जिससे उनकी शिक्षा में आशातीत सुधार होगा और बेटियों का भविष्य उज्ज्वल होगा।

कपड़ों की दुकान से चोर ने दो ही मिनट में चुराए 65000 रूपए, घटना सीसीटीवी में कैद

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : हिसार की राजगुरु मार्केट में एक दुकान से एक युवक गले से करीब 65000 रुपए चुरा कर ले गया। चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दुकान संचालक सुशील कुमार ने चोरी की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। चोर दो ही मिनट में चाबी ढूंढ कर गल्ले से 65000 रुपए लेकर भाग गया दुकान संचालक सुशील ने बताया कि उसकी राजगुरु मार्केट में कपड़े की दुकान है दुकान के नीचे बेसमेंट बना हुआ है जिसमें वह लेडीज सूट बेचते हैं वही ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में जेंट्स के कपड़ों की दुकान हैं। उसने तीन युवकों को रखा हुआ है संडे की वजह से एक युवक ने छुट्टी कर ली थी ऐसे में दो युवक सूट की दुकान पर बैठे हुए थे वह ग्राउंड फ्लोर की दुकान पर मौजूद था। बेसमेंट में बनी दुकान मे दोनों हेल्पर महिलाओं को सूट दिखा रहे थे। दुकानदार ने बताया कि इस दौरान एक महिला सूट देखने के लिए आई। वह ग्राउंड फ्लोर की दुकान के गल्ले को ताला लगाकर चाबी दराज में रख दी और महिला को सूट

दिखाने के लिए बेसमेंट मे चला गया। करीब 4 से 5 मिनट बाद महिला को सूट देकर वह जब ऊपर दुकान पर आया तो देखा कि गल्ले की चाबी काउंटर पर पड़ी थी इस दौरान गल्ले में रखे 65000 रुपए गायब मिले। दुकानदार सुशील कुमार ने बताया कि गल्ले से पैसे गायब होने पर सीसीटीवी कैमरे को चेक किया कैमरा चेक करने पर एक युवक दुकान के गले से पैसे चुराता हुआ नजर आया और दो ही मिनट मे 65000 रुपए चुरा कर ले गया। दुकानदार के अनुसार कर पहले दराज से गले की चाबी निकलता है। इसके बाद गल्ले को खोल कर दो पैकेट में रखें 65000 निकाल कर भाग जाता है। फिलहाल पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

एडीजीपी की ड्रग मुक्ति टीम पंचायत के सहयोग से कल ढाणा कला में लगाएगी ड्रग मुक्त कैंप

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : गांव ढाणा कला में एडीजीपी की ड्रग मुक्ति टीम ग्राम पंचायत के सहयोग से 28 नवम्बर को ड्रग मुक्ति कैम्प लगाया जाएगा। कैंप ढाणा कला के स्टेडियम मे 11 बजे शुरु हो जायेगा, जहां हिसार के जाने माने मनोरोग विशेषज्ञ व शान्ति मिशन अस्पताल के मालिक डॉक्टर बीर सिंह यादव पहुंचेंगे। कैम्प में ड्रग पीड़ितों का मुफ्त मे काउंसलिंग व जरुरत अनुसार उनका उपचार शुरू किया जायेगा। ड्रग पीड़ितों को जागरूक किया जायेगा की ड्रग की लत एक बीमारी है व इसका डाक्टरी इलाज भी संभव है। डॉक्टर बीर सिह प्रयास संस्था के सदस्य है व इस अभियान से जुडे है, अभी तक आधा दर्जन से अधिक शिविर लगा चूके हैं।

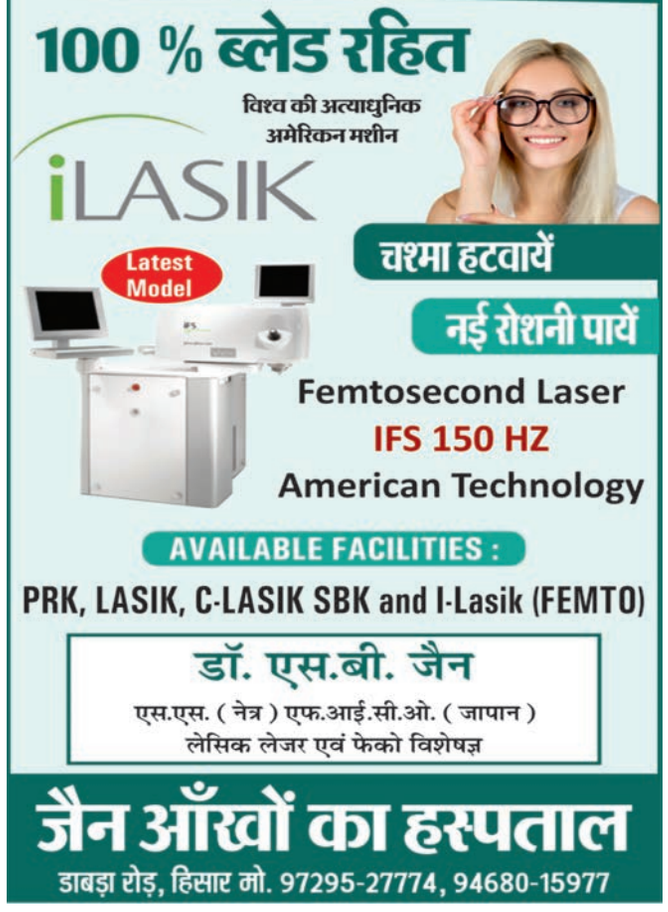

सम्पादकीय.....

आतंकियों के खतरनाक खेल पर हमेशा के लिए विराम लगाना जरूरी

आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान की कथनी और करनी का अंतर फिर उजागर हुआ है। इस बार मामला ज्यादा गंभीर है। भारतीय सेना की उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का दावा है कि जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में सक्रिय 20-25 आतंकियों में पाकिस्तान के सेवानिवृत्त फौजी शामिल हैं। पाकिस्तान में जमे आतंकवादी संगठन पहले कश्मीर के युवकों को बहला-फुसला कर अपने साथ कर लेते थे। अब कश्मीरी युवकों का आतंकवाद से मोहभंग हो चुका है। घाटी में इन संगठनों की भर्तियां बंद हो गई हैं। ऐसे में कश्मीर में गड़बड़ी फैलाने के लिए पकिस्तान अपने सेवानिवृत्त फौजियों को झोंक रहा है। दरअसल, 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की आबो-हवा काफी बदल चुकी है। भारतीय सेना पर पत्थर फेंकने वाली भीड़ गायब है। शांति बहाली का असर केसर की क्यारियों, डल झील को घेरकर खड़े पहाड़ों से लेकर गुलमर्ग में फैली बर्फ तक महसूस किया जा सकता है। घाटी के पर्यटन उद्योग को नई ऑक्सीजन मिली है। यही तस्वीर पाकिस्तान की आंख की किरकिरी बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव ने भी उसकी बेचैनी बढ़ा रखी है। वह घाटी में गड़बड़ी फैलाने की साजिश में जुटा रहता है। भारत के साथ हुए अब तक के चारों सामरिक युद्ध में पाकिस्तान ने मात खाई, पर कश्मीर राग अलापना बंद नहीं किया जोकि अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सुना ही नहीं जाता। बौखलाहट में पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में छद्म युद्ध जारी रखना चाहता है। वह पंजाब में भी ड्रोन भेजता रहता है, पर वहां भी उसके नापाक मंसूबों को जमीन नहीं मिल रही है। हमारे लिए चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि कुछ समय से आतंकी जम्मू-कश्मीर के आम लोगों के साथ हमारे सैनिकों को भी निशाना बना रहे हैं। पिछले हफ्ते राजौरी जिले की मुठभेड़ में सेना के दो अफसरों समेत पांच जवानों का शहीद होना बड़ा झटका है। आबादी वाले इलाकों के बजाय आतंकी अब घने जंगलों और गुफाओं में ठिकाने बना रहे हैं। मुठभेड़ के दौरान उन्हें बिलों से निकालना बड़ी चुनौती बन जाता है। यह चुनौती अनंतनाग के कोकेरनाग के जंगलों में हुई मुठभेड़ में भी सामने आई थी, जिसमें सेना के तीन जवान शहीद हुए थे। आतंकियों के नए पैंतरों को देखते हुए उनकी कमर तोडने के लिए सेना को नई रणनीति बनाने पर काम करना होगा। उनके स्थानीय नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करना जरूरी है, जो जंगलों या गुफाओं में उन्हें रसद और दूसरा सामान पहुंचाता है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले मुट्ठीभर आतंकियों के खतरनाक खेल पर हमेशा के लिए विराम जरूरी है।

पूजन के साथ तुलसी का भव्य विवाह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : सेक्टर-13 के गर्ग परिवार ने हाल ही में एक शानदार तुलसी विवाह समारोह का आयोजन किया और इस धार्मिक आयोजन में सेक्टर 13 के वातावरण में सजीव रंग भरा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को गर्ग परिवार ने अपनी परंपरागत मिठास के साथ मनाया, और पूरे पड़ोस का साथ जुटा कर इसे एक सामूहिक उत्सव बना दिया।

कन्या पक्ष से पिता श्री रमेश गार्ग, माता श्रीमती संतोष गार्ग, भाईयों आशीष और मनीष, बहनें खुशबू, चारु और श्रीमती कमलेश ग्रोवर ने तुलसी की साकार मूर्ति को धूप, दीप, और सुर्बहारता के साथ सजाया।

मामा पक्ष से दीपक और सुशीला बंसल (सेक्टर 14) और वार पक्ष से श्रीमती वीणा भंडारी, श्रीमती सरोज जिंदल, श्रीमती सरोज सिवाच, श्रीमती गोल्डी गवा भी इस महोत्सव में भाग लेकर इसे और भी रमणीय बना दिया।

पंडित पवन शर्मा के माध्यम से इस धार्मिक और सामाजिक आयोजन ने न केवल भक्ति और संगीत के माध्यम से आत्मा को संतुलित किया, बल्कि समृद्धि और एकता की भावना को भी मजबूती से दिखाया। गार्ग परिवार ने एक समृद्ध समुदाय की भावना को बढ़ावा देते हुए सभी को मिलकर एक अद्भुत साझा अनुभव कराया।

इसे एक पूर्ण हिन्दू विवाह के साथ मनाने का आनंद भी मिला, जिसमें पटाखों, जयमाला, फेरे और सभी प्रमुख रीतिरिवाज शामिल थे। समारोह के बाद सभी ने शादी के भंडार और भोजन का आनंद लिया।

गुरु नानक देवजी के दस सिद्धांत हर किसी के जीवन के लिए प्रेरणादायी हैं

अध्यात्म

सिखों के पहले गुरु गुरु नानक देवजी का प्रकाश उत्सव (जन्मदिन) कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। गुरु नानक का जन्म तलवंडी में हुआ था जो अब ननकाना साहिब के नाम से विख्यात है। तलवंडी पाकिस्तान के लाहौर शहर से लगभग 30 मील दूर दक्षिण पश्चिम में स्थित है। गुरु नानक जी के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

सिख ग्रंथों के अनुसार, जब गुरु नानक देवजी का जन्म हुआ तो उस समय शिशु के मस्तक पर तेज आभा थी। उनके पिता कालूचंद्र बेदी और मां त्रिपाता ने इस बालक का नाम नानक रखा। बालक के चेहरे पर तेज को देख गांव के पुरोहित हरदयाल जल्द ही यह भांप गए कि इसमें जरूर ईश्वर का कोई रहस्य छुपा हुआ है। बालक नानक शुरू से ही आध्यात्मिक स्वभाव के थे। उन्होंने पूरा जीवन लोगों की सेवा में बिताया। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते थे और उनके ज्ञान को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। इसके उपरांत नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए बिठाया गया। नानक के प्रश्न से मौलवी भी निरुत्तर हो गए। विद्यालय की दीवारें नानक को बांधकर न रख सकीं। उन्होंने समाज को जो शिक्षा और सिद्धांत दिए उससे शांति स्थापना में बड़ी कामयाबी मिली।

उस समय अंधविश्वास और आडंबरों का चारों ओर बोलबाला था और धार्मिक कट्टरता बढ़ रही थी। नानकदेव इन सबके विरोधी थे। जब नानक का जनेऊ संस्कार होने वाला था तो उन्होंने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि अगर सूत के डालने से मेरा दूसरा जन्म हो जाएगा, मैं नया हो जाऊँगा, तो ठीक है। लेकिन अगर जनेऊ टूट गया तो, पंडित ने कहा कि बाजार से दूसरा खरीद लेना। इस पर नानक बोले, 'तो फिर इसे रहने दीजिए। जो खुद टूट जाता है, जो बाजार में बिकता है, जो दो पैसे में मिल जाता है, उससे उस परमात्मा की खोज क्या होगी। मुझे जिस जनेऊ की आवश्यकता है उसके लिए दया की कपास हो, संतोष का सूत हो, संयम की गांठ हो और जनेऊ सत्य की पूरक हो। यही जीव के लिए आध्यात्मिक जनेऊ है। यह न टूटता है, न इसमें मैल लगता है, न ही जलता है और न ही खोता है।' एक बार उनके पिता ने सोचा कि नानक आलसी हो गया है तो उन्होंने खेती करने की सलाह दी। इस पर नानकजी ने कहा कि वह सिर्फ सच्ची खेती-बाड़ी ही करेंगे, जिसमें मन को हलवाहा, शुभ कर्मों को कृषि, श्रम को पानी तथा शरीर को खेत बनाकर नाम को बीज तथा संतोष को अपना भाग्य बनाना चाहिए। नम्रता को ही रक्षक बाड़ बनाने पर भावपूर्ण कार्य करने से जो बीज जमेगा, उससे ही घर-बार संपन्न होगा। उनके इस वचन को सुनकर उनके पिता भी विस्मित हो उठे।

गुरु नानक देवजी ने जात-पात को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए 'लंगर' की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। नानक देवजी का जन्मदिन गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं।

गुरु नानक जी का पूरा जीवन अनुकरणीय रहा और उन्होंने अपने जीवनकाल में अपने अनुयायियों को जीवन के दस सिद्धांत दिए। आज भी पूरी तरह प्रासंगिक यह सिद्धांत इस प्रकार हैं-

1. ईश्वर एक है।
2. सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
3. जगत का कर्ता सब जगह मौजूद है।
4. सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
5. ईमानदारी से मेहनत करके जीवन बिताना चाहिए।
6. बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न ही किसी को सताएं।
7. सदा प्रसन्न रहना चाहिए।
8. मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
9. सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
10. भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए जरूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।

सुनना भी एक कला है, ऐसे सुने कि सुनना सार्थक और सशक्त हो श्रवण की श्रेणी में आ जाएं

-पाठकपक्ष डेस्क-

कहीं पढ़ा था कि मानवीय संबंधों में सबसे बड़ी ग़लती कि हम आधा सुनते हैं, चौथाई समझते हैं, शून्य सोचते हैं, लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी करते हैं। यह कथन हमें आईना दिखाता है कि मानवीय संबंधों में आपसी रार और टकराव का मुख्य कारण क्या होता है कि हम दूसरे की सुनते ही नहीं, बस अपने मन में जो आता है उसे बिना सोचे-समझे बोलते ही जाते हैं। किसी भी प्रकार के संवाद में उसकी पूरी प्रकिया में बोलने से ज्यादा सुनने का महत्व होता है, लेकिन बोलना तो सिखाया भी जाता है और अक्सर सभी अपनी बात बोल भी देते हैं, सुनने का न तो महत्व समझाया जाता है और न ही सुनने की कोई विधिवत शिक्षण और प्रशिक्षण दिया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम्युनिकेशन में बोलना एक्टिव होता है और सुनना पैसिव होता है, बोलना दिखाई पड़ता है जबकि कोई ध्यान से सुन रहा है या नहीं, यह दिखाई नहीं पड़ता। वेद शास्त्रों में श्रवण करने का बहुत महत्व बताया गया उनका आधार श्रुतियां और स्मृतियां हैं जिसका अर्थ ही है कि जिनकी रचना सुनकर और उसे स्मृति में रख कर की गई है। श्रवण और स्मरण ज्ञान अर्जित करने का सबसे सशक्त माध्यम है। एक बार एक साधु राजा के दरबार में आता है और राजा को एक जैसी दिखाई देने वाली तीन खोपड़ियां भेंट में देता है और राजा से कहता है कि इनके अंतर को जान तुम जीवन के लिए बहुत कुछ सीख सकते हो। राजा उन्हें बहुत ध्यान से परखता और देखता है, पर उसे कुछ अंतर मालूम नहीं पड़ता।वह अपने दरबारियों से भी उनमें क्या अंतर है जानने की कोशिश करता है,पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाता। राजा उसी साधु को पुनः बुलाता है और उससे इस पहेली को हल करने के लिए कहता है। साधु एक पेंसिल लेता है और पहले वाली खोपड़ी के एक कान वाले सुराख से उस पेंसिल को डालता है तो दूसरे कान के सुराख से पेन्सिल बाहर आ जाती है। दूसरी खोपड़ी के कान के सुराख से पेन्सिल डालता है तो उसके मुंह वाले सुराख से पेंसिल बाहर आ जाती है। तीसरी खोपड़ी के कान में डाली गई पेंसिल उसके नीचे गर्दन के खोल से बाहर निकल आती है।अब साधु राजा को समझाता है कि पहले वाली खोपड़ी, जिसमें पेंसिल कान के छिद्र से जाकर दूसरे कान के छिद्र से बाहर आई थी,ऐसे मनुष्य की है जो एक कान से सुनता, दूसरे कान से निकाल देता, मतलब सुना अनसुना कर देता। दूसरी खोपड़ी, जिसमें पेंसिल कान से जाकर मुंह के रास्ते निकली थी उस मनुष्य का प्रतीक है जो कान से सुन तो लेता, पर उसे तुरंत ही उगल देता, मतलब ज्ञान सुना और दूसरों को सुना दिया। तीसरी खोपड़ी, जिसमें पेन्सिल कान से जाकर नीचे उतर गई थी,इस तरह के मनुष्य की है जो सुनता, उसे गुनता, मतलब मनन करता और उसे अपने जीवन में उतारता है, इसलिए यह खोपड़ी सबसे श्रेष्ठ है। कहने का अभिप्राय यह है कि सुनना भी कला है, जितनी अच्छी तरह ध्यान से हम सुनते हैं, उतना ही अच्छा बोल पाते हैं, और अगर उसे जीवन में उतार पाएं तो और भी अच्छा है तब तो सुनना श्रवण हो जाता है और वह सुनना सार्थक और सशक्त भी हो जाता है।

-डॉ. कमलेश कली

युद्ध किसी भी समस्या का हल न पहले था, न अब है और न भविष्य में है : एस.के. मिश्रा

सर्वोदय भवन गाँधी अध्ययन केंद्र में गोष्ठी का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : सर्वोदय भवन गांधी अध्ययन केंद्र हिसार में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें, 55 पुस्तकों के लेखक पूर्व प्रिन्सिपल एसके मिश्रा ने बतौर मुख्य वक्ता 'विश्व में युद्ध के खतरे और मानवता' विषय पर बोलते हुये बताया कि आज समाज, राष्ट्र और विश्व के बदलते स्वरूप में जहां इंसान ने हर क्षेत्र में प्रगति की है, इसके साथ साथ हथियार खरीदने की होड भी बढ़ी है जिसके पीछे सोच है कि अपनी सुरक्षा और विश्व में शांति की स्थापना। आज रूस और उक्रेन के बीच चले आ रहे युद्ध के 652 दिनों ने और इस्रायल और हमास के बीच युद्ध के चले आ रहे 52 दिनों ने सारे विश्व को सोचने के लिए विवास कर दिया है कि युद्ध किसी भी समस्या का हल न पहले था, न अब है और न भविष्य में है। हर युद्ध मे ज़्यादातर वे बच्चे, बूढ़े और स्त्रियाँ मारी जाती हैं जो बिल्कुल निर्दोष होते हैं जिनका युद्ध से कोई लेना देना नहीं होता है। आज मानवता संकट में है। मानवता कराह उठी है। वक्ता ने ऐसे विकराल समय में गांधी के उस अहिंसा के सूत्र को याद दिलाते हुये कहा कि विश्व में शांति अगर लानी है तो गांधी के इस अहिंसा के विचार को ही हर राष्ट्र को अपनाना होगा। वक्ता ने इस बात पर ज़ोर देते हुये कहा कि युद्ध से एक बार माहौल शांत तो हो सकता है, लेकिन स्थायी शांति की स्थापना नहीं हो सकती। सोच बदलना होगा कि हर विवाद का हल युद्ध से नहीं, बल्कि संवाद से ही संभव है। युद्ध से मानवता कुचली जाती है जबकि संवाद से मानवता का विकास और पोषण ये दोनों संभव है। हर युद्ध तबाही देकर जाता है,

रोटी छीन लेता है, अनेकों की जिंदगियाँ लीललता हुआ सालों साल के कहर, भुखमरी और कराहट छोड़ कर जाता है। वक्ता ने कहा कि यदि मानवता को बचाना है तो मानव को अपनी हर समस्या का हल युद्ध से नहीं, बल्कि संवाद से समस्या हल करनी होगी ।

सभा के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता पीके संधीर ने युद्ध के खतरे और मानवता विषय पर बोलते हुये कहा कि आज राष्ट्रों के पास स्टेट्समैन नहीं हैं। हर नेता सत्ता का जुगाड़ देखता है, उसे न समाज की चिंता है, न राष्ट्र की जिससे पूरे विश्व की मारा मारी ने मानवता को पीछे छोड़ दिया है। युद्ध का सबसे भयानक परिणाम यह होता है कि इसमे मानवता मारी जाती है। मानवता को बचाए रखने के लिए हर मानव को मानव के प्रति युद्ध नहीं, प्यार की जरूरत है। वर्तमान में चल रहे उक्रेन व रूस के बीच और इजरायल व हमास के बीच चल रहे युद्ध का हल भी एक दूसरे पर हथियार चला कर नहीं, बल्कि संवाद चला कर समस्या का हल खोजने की जरूरत है। मंच का संचालन सतपाल शर्मा ने मुक्तक सुनाते हुये कुशल ढंग से किया। इस अवसर पर बनीसिंह जांगड़ा, प्रबन्धक धर्मवीर शर्मा, केपी कालिया, सुरेश कुमार गर्ग, डॉ योगेन्द्र कुमार यादव, डॉ अशोक कुमार, विजेंदर कुमार, आकाशवाणी निदेशक पवन कुमार, आत्माराम गर्ग, वीरेंद्र कौशल, शैलेश वर्मा, भी उपस्थित रहे।

सुण मौल्लड़ की

चीन में फैली फेफड़े फुलाने वाली रहस्यमय बीमारी।

खतरा उरै बी मंडरा रह्या सै। वायु प्रदूषण हो रह्या सै घातक। कचरा मत जलाओ, पेड़ लगाओ।

कैसा रहेगा आपका कल

मेष : लेखन के कार्य से जुड़े लोगों को लाभ होगा। बातचीत में नरमी बरतें। अटकी योजना शुरू करने में कामयाबी मिल सकती है।

वृषभ : बिखरे कार्यों को समेटने में सफलता मिलेगी। अधिकारियों से मेल-जोल बढ़ेगा। भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन : मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। अत्याधिक खर्च परेशान कर सकता है। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। भगवान गणेश जी की पूजा करें।

कर्क : स्वजनों से उपहार प्राप्त हो सकता है। लम्बे समय से अटकी योजनाएं शुरू होगी। पुराने रोगों से छुटकारा मिलेगा।

सिंह : पिता के साथ आत्मीयता बढ़ेगी। मान व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में शांति व आनंद का वातावरण बना रहेगा।

कन्या : पूंजी निवेश से लाभ होगा। बुजुर्गों की भावनाओं का सम्मान करें। सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ेगी।

तुला : लोग पीठ पीछे आपकी निंदा करेंगे। नए संपर्कों का लाभ होगा। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक : व्यक्तित्व में निखार आएगा। व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ होगा। शत्रु परास्त होंगे।

धनु : अनावश्यक विवादों से दूर रहें। यात्रा में कष्ट संभव है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। भगवान हनुमान जी की पूजा करें।

मकर : आत्म प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मौज मस्ती में दिन व्यतीत होगा। नई योजनाओं की शुरूआत लाभकारी रहेगी।

कुंभ : मन में किसी बात को लेकर भय बना रहेगा। जोखिम लेने से बचें। लापरवाही की तो हानि उठानी पड़ेगी। भगवान कृष्ण जी की पूजा करें।

मीन : मित्रों का साथ खुशी देगा। जल्दबाजी करने से बचें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

ज्योतिषी मोहित वशिष्ठ
नक्षत्र एस्ट्रोलोजी, प्रथम तल 12-एन, माडल टाउन मार्केट, हिसार (मो. : 94666-69799)

कर्म का मर्म

राजकुमार को मिला यह ज्ञान

प्राचीन काल की घटना है। साम्राज्य गुप्त के पुत्र पुष्यमित्र अत्यंत आकर्षक व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें अपनी सुंदरता का बहुत अभिमान था। एक बार वह मंत्रीपुत्र सुयश के साथ नगर भ्रमण को निकले। उन्होंने देखा कि एक स्थान पर शवदाह हो रहा है। राजकुमार पुष्यमित्र ने पूछा, 'यह क्या हो रहा है?' सुयश ने कहा, 'यहां किसी मृत व्यक्ति का दाह संस्कार हो रहा है।' राजकुमार ने कहा, 'अवश्य ही यह व्यक्ति कुरूप होगा।' सुयष ने उत्तर दिया,'नहीं, मरने पर प्रत्येक व्यक्ति का शरीर सड़ने-गलने लगता है, इसलिए उसे जला ही देना पड़ता है।'

राजकुमार पुष्यमित्र को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि हर व्यक्ति को एक दिन मृत्यु को प्राप्त होना पड़ता है। इस सत्य का आभास होने पर उसे यह अनुभव होने लगा कि उसका सुंदर शरीर भी एक दिन नष्ट हो जाएगा। उसका मन खिन्न हो उठा। उसने अपने मन की व्यथा राजगुरु से व्यक्त की। राजगुरु राजकुमार को अपने गुरु के पास लेकर गए। वह राजकुमार की खिन्नता को समझकर बोले, 'तुम इस शरीर के अंतिम परिणाम की चिंता से व्यथित हो?' राजकुमार ने हां में उत्तर दिया। राजगुरु के गुरु बोले, 'आज तुम जिस भवन के स्वामी हो, यदि कल उसके जीर्ण होने पर तुम्हें अन्यत्र निवास करना पड़े और वह भवन नष्ट हो जाए तो तुम पर क्या प्रभाव पड़ेगा?' राजकुमार ने उत्तर दिया, 'कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। जो चीज जीर्ण हो जाए, उसे त्याग देना ही उत्तम है।'

वह बोले, 'बस, यही नियम शरीर पर भी लागू होता है। इसमें निवास करने वाली आत्मा शरीर के जीर्ण होने पर इसका त्याग कर देती है और यह शरीर नष्ट हो जाता है। उसके लिए चिंतित मत होओ। अमर तो मात्र हमारे किए शुभ या अशुभ कर्मों के परिणाम होते हैं।' गुरु की बातों ने पुष्यमित्र की आंखें खोल दीं।

DHANWANTARI
स्वस्थ भारत अभियान
DHANWANTARI Ayurvedic Centre

- शुगर
- मोटापा
- बी.पी.
- कॉलस्ट्रोल
- जोड़ों का दर्द
- स्त्री रोग
- चमड़ी रोग
- पाचन रोग
- पुरूषत्व रोग
- सांस की एलर्जी
- नशे की आदत
- लीवर व किडनी रोग
- हृदय रोग
- एड्स
- थाईराईड
- घुटनों का दर्द
- नसों की ब्लोकेज
- बवासीर
- न्यूरो रोग

Lion Surinder Chhinda
DIAMOND
& Health Consultant

शराब छुड़वाने के लिए फ्री परामर्श

शराब, बीड़ी सिगरेट, तम्बाकु व हर प्रकार का भयानक नशा छुडाया जाता है

डेंगु बुखार में प्लेटलेट बढ़ाने की ब्रहमास्त्र दवाई दी जाती है 100 प्रतिशत ईलाज

बिना दवाई के कैसे निरोग रहा जाए इसके लिए हैल्थ टिप्स दिए जाते हैं।

गुर्दे की पत्थरी का शर्तिया ईलाज बिल्कुल फ्री ईलाज कोई फीस नहीं ली जाती।

इन सभी बिमारियों के सम्पूर्ण ईलाज के लिए उच्च क्वालिटी की आयुर्वेदिक दवाईयां उपलब्ध है।

अगर सदा स्वच्छ रहना है तो पानी स्वच्छ व अच्छा होना चाहिए
आयूरजल आपको देगा पहाडो व झरनो जैसी अलग लाईन पानी के लिए सम्पर्क करें

हमारे यहां पर देसी गाय का 100% शुद्ध घी उचित रेटो पर उपलब्ध है।

M/s NAIRA HEALTH CARE
29, Kali Mata Mandir Road,
Bank Colony, Hisar 125001 (Haryana)
M. 92155-82868

॥ राम ॥
Lovely Salon
Estd. 1974
Will be Closed on Tuesday
Hair Studio | Make up
Skin Treatment | Nail Art
Ram Smarpan, N-121, Model Town, Gurudwara Road, Hisar
Ph.: 01662-247570, 9896851500
(web : www.lovelysalon.in)

राम
muse-II
Multi Designer Store
Above Lovely Salon, Gurudwara Road,
Model Town, Hisar
Mob.: 8607224444, 8222035555

धर्म प्रवर्तक एवं महान समाज सुधारक थे संत गुरुनानक देव जी

-पाठकपक्ष डेस्क-

भारत की पावन भूमि पर अनेक संत-महात्मा अवतरित हुए हैं, जिन्होंने धर्म से विमुख सामान्य मनुष्य में अध्यात्म की चेतना जागृत कर उसका नाता ईश्वरीय मार्ग से जोड़ा है। उनमें ही एक अलौकिक अवतार गुरु नानकदेव जी है।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन श्री गुरु नानक देव जी का जन्मदिन भी मनाया जाता है। गुरू नानक जी की जयंती /गुरु पर्व सबसे सम्मानित दिन है। इसका अर्थ है 'गुरुओं का उत्सव'। गुरु नानक देव सिक्खों के प्रथम गुरु व 'सिक्ख धर्म' के संस्थापक थे। वे एक महापुरुष व महान धर्म प्रर्वतक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात् करने हेतु प्रेरित किया। इनके अनुयायी इन्हें नानक, नानक देव जी, बाबा नानक और नानकशाह नामों से संबोधित करते हैं। लद्दाख व तिब्बत में इन्हें नानक लामा भी कहा जाता है। कई लोगों का मानना है कि बाबा नानक एक सूफी संत भी थे। और उनके सूफी कवि होने के प्रमाण भी समय-समय पर लगभग सभी इतिहासकारों द्वारा दिए जाते है। कहा जाता है कि गुरु नानकदेवजी का आगमन ऐसे युग में हुआ जो इस देश के इतिहास के सबसे अंधेरे

युगों में था। उनका जन्म 1469 में लाहौर से 30 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में तलवंडी रायभोय नामक स्थान पर हुआ जो अब पाकिस्तान में है। बाद में गुरुजी के सम्मान में इस स्थान का नाम ननकाना साहिब रखा गया। श्री गुरु नानकदेव संत, कवि और समाज सुधारक थे।

धर्म काफी समय से थोथी रस्मों और रीति-रिवाजों का नाम बनकर रह गया था। उत्तरी भारत के लिए यह कुशासन और अफरा-तफरी का समय था। सामाजिक जीवन में भारी भ्रष्टाचार था और धार्मिक क्षेत्र में द्वेष और कशमकश का दौर था। न केवल हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच में ही, बल्कि दोनों बड़े धर्मों के भिन्न-भिन्न संप्रदायों के बीच भी इन कारणों से भिन्न-भिन्न संप्रदायों में और भी कट्टरता और वैर -विरोध की भावना पैदा हो चुकी थी। समाज में कई धर्मों के चलन व विभिन्न देवताओं को स्वीकार करने की अरुचि ने व्यापक रूप में यात्रा किए हुए नेताओं को धार्मिक विविधता के बंधन से मुक्त होने, तथा एक प्रभु जो कि शाश्वत सत्य है के आधार पर धर्म की स्थापना करने की प्रेरणा दी। ऊंच-नीच का विरोध करते हुए गुरु नानकदेव अपनी मुखवाणी 'जपुजी साहिब' में कहते हैं कि 'नानक उत्तम-नीच न कोई' जिसका भावार्थ है कि ईश्वर की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं फिर भी अगर कोई व्यक्ति अपने आपको उस प्रभु की निगाह में छोटा समझे तो ईश्वर उस व्यक्ति के हर समय साथ है। यह तभी हो सकता है जब व्यक्ति ईश्वर के नाम द्वारा अपना अहंकार दूर कर लेता है। तब व्यक्ति ईश्वर की निगाह में सबसे बड़ा है और उसके समान कोई नहीं।

'एक ओंकार सतनाम, करता पुरख निरभऊ। निरबैर, अकाल मूरति, अजूनी, सैभं गुर प्रसाद।।'

समाज में समानता का नारा देने के लिए उन्होंने कहा कि ईश्वर हमारा पिता है और हम सब उसके बच्चे हैं और पिता की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं होता। वही हमें पैदा करता है और हमारे पेट भरने के लिए खाना भेजता है। गुरु नानक जयन्ती के त्योहार में, तीन दिन का अखण्ड पाठ, जिसमें सिक्खों की धर्म पुस्तक 'गुरू ग्रंथ साहिब' का पूरा अखण्ड पाठ बिना रुके किया जाता है। मुख्य कार्यक्रम गुरु पर्व के दिन गुरू ग्रंथ साहिब को फूलों से सजाया जाता है, और एक बेड़े (फ्लोट) पर रखकर शोभा यात्रा के रूप में पूरे गांव या नगर में भ्रमण किया जाता है। शोभायात्रा की अगुवाई पांच सशस्त्र गार्डों, जो 'पंज प्यारों' का प्रतिनिधित्व करते हैं, तथा निशान साहब, अथवा उनके तत्त्व को प्रस्तुत करने वाला सिख ध्वज, लेकर चलते हैं, द्वारा की जाती है। पूरी शोभायात्रा के दौरान गुरूवाणी का पाठ किया जाता है, अवसर की विशेषता को दर्शाते हुए, गुरू ग्रंथ साहिब से धार्मिक भजन गाए जाते हैं। शोभायात्रा अंत में गुरूद्वारे की ओर जाती है, जहाँ एकत्रित श्रद्धालु सामूहिक भोजन, जिसे लंगर कहते हैं, के लिए एकत्रित होते हैं। और पंजाबी भाषा में इसे लंगर छकना भी कहा जाता है। गुरु नानक जात-पात का विरोध करते हैं। उन्होंने समाज को बताया कि मानव जाति तो एक ही है फिर यह जाति के कारण ऊंच-नीच क्यों? गुरु नानक देव ने कहा कि मनुष्य की जाति न पूछो, जब व्यक्ति ईश्वर की शरण में जाएगा तो वहां जाति नहीं पूछी जाएगी। सिर्फ आपके कर्म ही देखे जाएंगे। सांसारिक अज्ञानता के प्रति गुरु नानक देव का कथन है कि-

'रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय।'

गुरु नानक देव की दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है। गुरु नानक देव जी एक महान आत्मा थे जो सादा जीवन उच्च विचार के सिद्धांत का पालन करते थे। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन में उच्च सिद्धान्त का अनुपालन करने हेतु प्रेरित किया। गुरु साहब ने 'गुरुग्रंथ साहब' नामक ग्रंथ की रचना पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में की। 70 वर्षीय गुरु नानक सन् 1539 ई॰ में अमरत्व को प्राप्त कर गए। परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात् भी उनके उपदेश और उनकी शिक्षा अमरवाणी बनकर हमारे बीच उपलब्ध हैं जो आज भी हमें जीवन में उच्च आदर्शों हेतु प्रेरित करती रहती हैं। गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। एक सामान्य व्यक्ति और एक महान आध्यात्मिक चिंतक का एक अद्भुत मिश्रण गुरु नानकदेवजी के व्यक्तित्त्व में अनुभव किया जा सकता है। 'वे नबी भी थे और लोकनायक भी, वे साधक भी थे और उपदेशक भी, वे शायर एवं कवि भी थे और ढाढ़ी भी, वे गृहस्थी भी थे और पर्यटक भी।' गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि गुरुनानक उदार प्रवृत्ति वाले स्वतंत्र और मौलिक चिंतक थे।

-डॉ. पवन शर्मा

प्रशिक्षण वर्ग में संगठन को मजबूत बनाने का किया आह्वान

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : भारतीय जनता युवा मोर्चा का मंडल सशक्तिकरण अभियान के तहत पार्टी जिला कार्यालय में प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में मंच संचालन मोर्चा जिला महामंत्री अनिल भैरू ने किया। प्रशिक्षण वर्ग में चार सत्रों का आयोजन किया गया। पहले सत्र में मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गायत्री देवी,

दूसरे सत्र में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गगन शर्मा, तीसरे सत्र में प्रदेश मंत्री नेहा धवन व चौथे सत्र में प्रदेश मंत्री अजय खुड़िया मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती सबसे अहम है। संगठन को मजबूत बनाने के लिए युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम करें। युवाओं के हित में प्रदेश सरकार ने काफी कार्य किए हैं। युवाओं को बिना पर्ची व खर्ची के मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरी देने काम किया है। इस अवसर पर मोर्चा के जिला महामंत्री अनिल भैरू,जिला उपाध्यक्ष मनोज व मुकेश शर्मा, सुरेश जांगड़ा, अमित पूनिया, परमजीत, संजय, नितिन, आजाद, राधेश्याम सोनी, वीरेंद्र मेहता, पीयूष, नरेश धतरवाल, बलजीत, जोगिंदर, कृष्णा, नवीन कुमार व रोशन लाल सहित मोर्चा के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

विकास नगर में पांच झोपड़ियां और कबाड़ में लगी आग, सामान जलकर हुआ राख

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : हिसार जिले में विकास नगर मे कबाड़ का काम करने वाले एक व्यक्ति द्वारा जमा किए गए कबाड़ में अज्ञात कारण से आग लग गई। इस दौरान कबाड़ के साथ लगती पांच झोपड़ियां मे भी आग जा लगी । घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची करीब पांच गाड़ियों द्वारा करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया गया इस दौरान झोपड़िया में रखा सारा सामान और कबाड़ पूरी तरह से जलकर राख हो गया। प्रवासी मजदूर लालमोहन पासवान ने बताया कि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और हिसार में वह कबाड़ का काम करता है और विकास नगर में खुले में कबाड़ इकट्ठा करता है करीब दो-तीन महीने के बाद इसे बेच देता है वह कबाड़ खरीदने के लिए शहर में गया हुआ था इस दौरान सूचना मिली कि उसके कबाड़ में आग लग गई है वह मौके पर पहुंचा तो कबाड़ से आग की

लपटे उठ रही थी। आग लगने से तीन से चार लाख का नुकसान हुआ है। कबाड़ का काम करने वाले व्यक्ति ने बताया कि करीब 2 से 3 महीने का कबाड़ इकट्ठा किया हुआ था जिसे हाल ही में बेचना था।

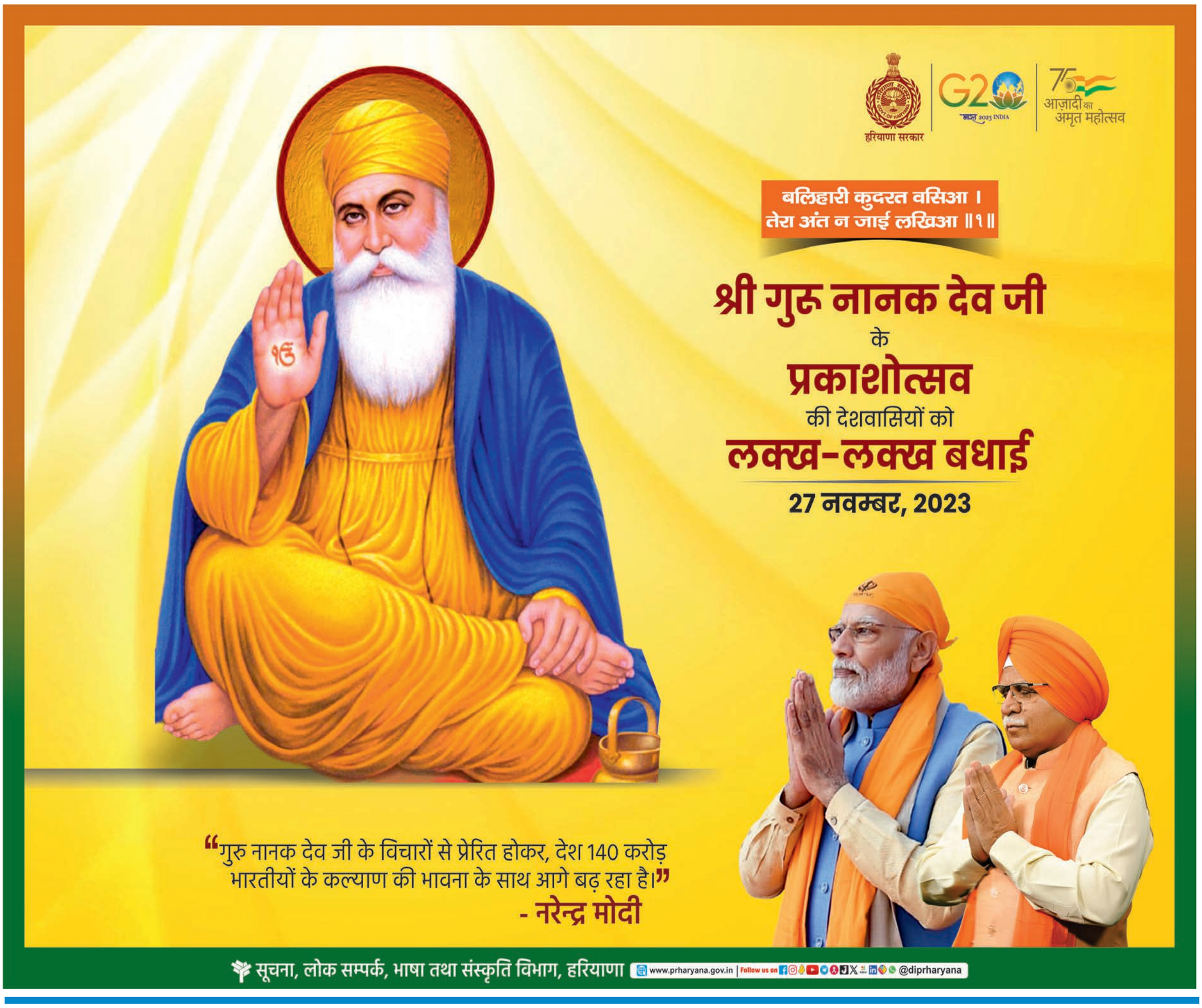

सेंट सोफिया सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में 'मेगा स्पोर्ट्स सप्ताह' का शानदार समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : एक रोमांचक दिखाई देते हुए सेंट सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने गत दिवस अपने मेगा स्पोर्ट्स सप्ताह का समापन किया, जिसमें एक भव्य समापन समारोह शामिल था। जिसने पूरे स्कूल को उत्साहित कर दिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सेंट सोफिया स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रकार के खेल खेले गए। इस खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन 21 नवम्बर को आरंभ हुआ और उसका समापन 25 नवम्बर को किया गया। सोफिया स्कूल के आयोजन के इतिहास में यह पाँच दिन एक पर्व की भांति मनाया गया। इस खेल प्रतियोगिता में खो-खो, फुटबाल, कबड्डी, वालीबॉल, लम्बी कूद, मुख्य रहा। रिवरस थ्रो, शॉट फुट, मैराथन, साइकिलंग रेस, बैलेंस रेस हरडल रेस और नन्हें मुन्नों की खरगोश रेस आदि खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक ने बच्चों के बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

इस उत्सव को हरित स्वभाव से जोड़ने के लिएए मेगा स्पोर्ट्स सप्ताह में मैराथन 10 कि.मी. लड़कों व 5 कि.मी. लड़कियों ने और 15 कि.मी. लड़कों व 10 कि. मी. लड़कियों की साइक्लोथॉन भी शामिल थे, जिसमें फिटनेस और पर्यावरण सचेतनता के महत्व को बढ़ावा दिया गया। प्रतिभागीयों ने उत्साह से पैदल चले और दौड़े, जो पूरे स्कूल की समृद्धि का प्रतीक था। इस खेल कूद प्रतियोगिता को करवाने का उद्देश्य हार जीत नहीं, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चों को शारीरिक और मानसिक विकास के बारे में बताना, अनुशासन की भावना लाना, बच्चों में सहयोग की भावना लाना है। सभी बच्चों ने इस प्रतियोगिता में नियमों का पालन करते हुए बहुत अच्छे से अपने खेल का प्रदर्शन दिखाया। इस प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर के पूर्व स्कूल खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया जिसमें जिवंश (फुटबाल खिलाड़ी), आशीष (हैंडबाल खिलाड़ी) समुंद्र (हैंडबाल) और पवन (बाक्सर) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करते हुए बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों से भी अपना भविष्य बनाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने अपने स्कूल टाइम के किस्से बच्चों को बताकर अपनी यादों को ताज़ा किया।

इन प्रतियोगिताओं के रिजस्ट निम्न रहे हैं।

1. बेस्ट एथलीट्स
आशीष 12वीं क्लास ब्लू हाउस
अरमान 8वीं क्लास व्हाइट हाउस
जतिन 11वीं क्लास ब्लू हाउस
सोनिया 9वीं क्लास, ऑरेंज हाउस
गरिमा 12 क्लास ऑरेंज हाउस
दिव्या, 7वीं क्लास, ऑरेंज हाउस

2. सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी
सागर, 9वीं क्लास ग्रीनहाउस
अंश 9वीं क्लास, ऑरेंज हाउस

3. बेस्ट खो-खो खिलाड़ी
सचित 6ठी क्लास ग्रीन हाउस
संदीप, 8वीं क्लास, ऑरेंज हाउस
दिव्या, 7वीं क्लास, ऑरेंज हाउस
नमन, 11वीं क्लास ग्रीनहाउस
आशीष 12वीं क्लास ब्लू हाउस

4. बेस्ट वॉलीबॉल खिलाड़ी
जतिन पूनिया 10वीं क्लास ऑरेंज हाउस
सागर 10वीं क्लास ऑरेंज हाउस

5. बेस्ट डॉज बॉल प्लेयर
मान्यता 7वीं कक्षा व्हाइट हाउस

6. सर्वश्रेष्ठ कबड्डी खिलाड़ी
आयुषी 10वीं कक्षा व्हाइट हाउस
सक्षम 8वीं कक्षा व्हाइट हाउस
रोहित सिहाग 10वीं कक्षा ग्रीन हाउस
मोहित सिहाग 11वीं कक्षा ब्लू हाउस

7. सीनियर गर्ल्स व्हाइट हाउस टीम में सर्वश्रेष्ठ हाउस

8. सीनियर लड़कों में ब्लू हाउस

9. जूनियर विंग में सर्वश्रेष्ठ हाउस एथलीट ऑरेंज हाउस

10. लड़कियों में सीनियर विंग में सर्वश्रेष्ठ हाउस एथलीट ऑरेंज हाउस

11. बॉयज ब्लू हाउस में सीनियर विंग में सर्वश्रेष्ठ हाउस

एथलीट स्टूडेंट ऑफ द ईयर
12. गरिमा 12वीं क्लास रेंज हाउस

13. कैप्टन ऑफ द ईयर
यशिका सैनी 9वीं क्लास ब्लू हाउस
अंजलि 11वीं क्लास व्हाइट हाउस

14. सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक
दीपांशु 11वीं कक्षा ऑरेंज हाउस
मनन, 12वीं कक्षा ब्लू हाउस
विकास 9वीं कक्षा व्हाइट हाउस
मोहित सिहाग, 11वीं कक्षा ब्लू हाउस
अभिजीत, 7वीं कक्षा ऑरेंज हाउस
सचित 6वीं कक्षा ग्रीनहाउस
शुभम शर्मा, 9वीं क्लास व्हाइट हाउस
आरव 12वीं क्लास ब्लू हाउस
मोक्ष 12वीं क्लास ग्रीनहाउस

सभी खेलों में अपनी जगह बनाते हुए वाइट हाऊस ने बेस्ट हाऊस आफ द ईयर की ट्राफी हासिल की।

प्रधानाचार्या श्रीमती वर्षा राणा ने खेलों के समापन समारोह के दौरान अपने प्रेरणादायक भाषण में छात्रों की प्रशंसा की और उनकी कठिनाई और उत्साह के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि मेगा स्पोर्ट्स सप्ताह ने न केवल आपकी शारीरिक क्षमता को प्रदर्शित किया है बल्कि अपनी टीमवर्क अनुशासन और सहनशीलता भी दिखाई दी है। मुझे आप सब पर गर्व है।

प्रधानाचार्या श्रीमती वर्षा राणा ने अपने भाषण को छात्रों, शिक्षकों, और कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए समापन किया तथा छात्रों को हिदायत देते हुए कहा कि ध्यान रखें खेल न केवल मजबूत शरीर बनाते हैं, बल्कि सहनशील मस्तिष्क भी बनाते हैं। यहां सीखे गए सबक को हर क्षेत्र में काम में लाएं और उन्हें अपने चरित्र और भविष्य की दिशा में बदलने दें। सभी शामिल हुए लोगों को बधाई, और सेंट सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खेलकूद की भावना सदैव बनी रहे, यही मेरी कामना है। इस मेगा स्पोर्टस सप्माह का बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समापन हुआ।

आप के जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्योराण आदमपुर ब्लॉक के प्रभारी नियुक्त

पाठकपक्ष न्यूज

आदमपुर, 27 नवम्बर : आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्योराण को आदमपुर ब्लॉक का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्हें यह जिम्मेवारी आप के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने सौंपी है। लोकसभा चुनावों की निकटता को लेकर उनकी इस जिम्मेवारी को पार्टी को क्षेत्रीय मजबूती प्रदान करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इसी कड़ी में एक विधानसभा में चार ब्लॉक प्रभारी बनाने की प्रक्रिया में आप नेता संजय बूरा, सतबीर झांझडिया व उमेश शर्मा को भी आदमपुर ब्लॉक प्रभारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है। अपनी इस

नियुक्ति पर नवनियुक्त आदमपुर ब्लॉक प्रभारी व जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्योराण ने आप आदमी पार्टी के आला कमान के आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि विधानसभाओं में ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति के तुरन्त बाद जब जल्द ही सर्कल स्तर और गांवों में कमेटियों का गठन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सांसद डॉ. संदीप पाठक व प्रदेश अध्यक्ष सांसद डॉ. सुशील गुप्ता की अगुवाई में प्रदेश में संगठन विस्तार के लिए बैठकों का दौर जारी है। पार्टी की नीतियों को गांवों और बूथ स्तर पर पहुंचाने के लिए संगठन का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आम आदमी पार्टी नए कलेवर व तेवर के साथ नजर आएगी। जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्योराण ने कहा है कि प्रदेश की जनता भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को चलता करने का मन चुकी है। आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनावों में प्रदेश की जनता आम आदमी पार्टी के चुनाव निशान झाड़ू से भाजपा-जजपा की गंदगी का पूर्ण सफाया कर देगी। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की सरकार की गलत नीतियों से कर्मचारी, किसान से लेकर हर वर्ग नाराज है, महंगाई व भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है।

सहोदय एथलेटिक्स मीट में आर्मी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने मारी बाजी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : नौवीं सहोदय एथलेटिक्स मीट होली एंजल स्कूल में आयोजित की गई, जिसमें आर्मी पब्लिक स्कूल हिसार की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में अंडर -11, अंडर -14 और अंडर-19 श्रेणी की लड़कियों ने हिस्सा लिया और 56 अंक लेकर प्रथम स्थान पर अपना कब्जा जमाया। इस प्रतियोगिता में 23 विद्यालयों के खिलाड़ियों के मध्य प्रतिस्पर्धा करवाई गई थी, जिसमें आर्मी पब्लिक स्कूल हिसार की छात्राओं ने 4 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। अंडर -11 में बेस्ट एथलीट अनामिका यादव रही। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर कविता जाखड़ ने खिलाड़ियों की इस जीत पर खुशी जाहिर करते हुए विजेता खिलाड़ियों, उनके पथप्रदर्शक अध्यापकों एवं अभिभावकों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें ऐसे ही नित नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस भवन में मनाया गया संविधान दिवस, प्रस्तावना पाठ करके संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली

हम सब भारतवासियों को एकजुट होकर राष्ट्र व जनता के हित में काम करना चाहिए : गर्ग

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गत दिवस कांग्रेस भवन में संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने संविधान की प्रस्तावना पाठ करके संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। इस अवसर पर लोकसभा पर्यवेक्षक कांतिलाल बरवार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर हरियाणा कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व जिला कन्वीनर बजरंग गर्ग ने कहा कि भारत देश का संविधान 26 नवंबर 1949 में बना था। भारत देश का ऐसा संविधान है जो अलग-अलग जाति व धर्मों को जोड़ता है। भारत देश में लगभग 140 करोड़ की आबादी वाला विशाल देश है। भारत देश के संविधान के कानून को देश का हर नागरिक आदर करता है। इस संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट समेत देश की सभी अदालतें, संसद, विधानसभा, प्रधानमंत्री व हर राज्यों के मुख्यमंत्री सहित देश का हर नागरिक इसी के तहत काम करते हैं और संविधान के तहत ही हम सभी को अधिकार भी मिलते है। हम सब देशवासी पुरी स्वतंत्रता व समानता के साथ अपना जीवन जी रहे हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि हालांकि भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को देश में लागू हुआ था। जिसका जशन हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप

में भव्य रूप से मनाया जाता है। इतना ही नहीं गणतंत्र दिवस को हर स्कूल, कॉलेज, प्राइवेट कंपनियां व सरकारी कार्यालय में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है जबकि हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था। उस समय हमारे पास अपना कोई संविधान नहीं था। संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ भीमराव अंबेडकर जी थे इसलिए अंबेडकर जी को संविधान का निर्माता कहा जाता है और भारत देश के पहले कानून मंत्री डॉ भीमराव अंबेडकर जी थे। संविधान तैयार करने के लिए 2 साल 11 महीने 18 दिन लगे थे। भारतीय संविधान देश का सबसे लंबा लिखित संविधान है। हाथ से लिखे संविधान पर 24 जून 1950 को संविधान सभा के 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। बजरंग गर्ग ने कहा कि भारत ऐसा देश है जहां पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई मिल जुलकर आपसी भाईचारा से एक छत के नीचे रह रहे है। हम सब भारतवासियों को एकजुट होकर राष्ट्र व जनता के हित में काम करना चाहिए। इस अवसर पर लोकसभा पर्यवेक्षक कांतिलाल बरवार, पर्यवेक्षक प्रवेश त्यागी, पर्यवेक्षक गुरकीमत सिद्धू, प्रदेश प्रवक्ता कुलबीर सोहल, महिला ग्रामीण ज़िला अध्यक्ष संतोष जून, महिला शहरी ज़िला अध्यक्ष स्नेहलता निंबल, वरिष्ठ नेता वीर सिंह दलाल, महिला ग्रामीण उपाध्यक्ष कमलेश श्योराण, डॉ राजबीर सिंह मोर, पूर्व चेयरमैन सुखबीर सिंह डुडी, वरिष्ठ नेता वज़ीर सिंह पूनिया, हेमंत गुज्जर, राजेंद्र बंसल, सोनू लंकेश, महिला नेत्री कृष्णा दुग्गल, युवा नेता सुरेश पंघाल, जे. पी. ज्याणी, ओम प्रकाश बजाज, निरंजन गोयल, जेकब हरमीत सिंह, सतीश भाटिया, राधाकृष्ण नारंग, महिला हल्का नलवा मनीषा दहिया, युवा नेता नरेश मलिक, हनुमान बिश्नोई, चांगी राम उकलाना, विक्रम भुंबक, जय सिंह पंघाल, प्रद्युम्न जोशीला, राजवीर मोर, भरत गोयत आदि कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद थे।

लघु सचिवालय स्थित अंबेडकर प्रतिमा पार्क में मनाया संविधान दिवस

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : लघुसचिवालय स्थित डाक्टर अंबेडकर प्रतिमा पार्क में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने संविधान दिवस मनाया और संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस अवसर पर सर्व समाज के लोगों ने संविधान निर्माता भारतरत्न डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर जय भीम जय भारत के नारे भी लगाए गए। उपस्थित वक्ताओं ने देश की आजादी के बाद देश को चलाने के लिए उपजी परिस्थितियों में संविधान निर्माण का कार्य, डाक्टर अंबेडकर की भूमिका, संविधान की प्रस्तावना और संविधान में निहित किए गए नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों पर गहराई से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि मौजूदा समय में भारतीय संविधान सांप्रदायिक ताकतों के निशाने पर है। संविधान में निहित सेकुलर, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता जैसे शब्दों से सांप्रदायिक ताकतों को नफरत है। तभी तो मौजूदा दौर में संविधान हाशिए पर है और तानाशाही व अराजकता की तरफ देश को धकेला जा रहा है। देश के संविधान को लेकर पूरे देश में बहुजन संगठनों में चिंता है। इस अवसर पर कान्हा राम चेरवाल, एडवोकेट बजरंग इन्दल,सज्जन ढोकवाल, छात्र नेता अमित जाटव, जयपाल रंगा, सुरेश सरोहा, सुरेश बराड़, इंद्राज भारती, प्रदीप यादव, विजय भोरिया, अन्तराम भोंसले, स्नेहलता निंबल, कमलेश रॉय, रोशन लाल, रत्न बडगुज्जर, कृष्णा दुग्गल, बलवान रंगा, इंद्र भुक्कल, अमित रंगा, नारायण, छबिलदास, सतीश मेहरा, चंद्र धानियां, एडवोकेट पवन तुंदवाल, प्रोफेसर कृष्ण काजल, महावीर मोनू, संतोष बौद्ध, संदीप, राममेहर शिला, बलबीर भुम्बक, कृष्ण मुवाल, जिलेसिंह, वजीर चौहान, राजेश मुंडई, ओमप्रकाश दहिया, प्रलाहद सोंलकी, गीता, पूनम चौहान, सुमन, संजय, रवि, संगीता, नीलम, रेणु, अशोक आर्यनगर व अन्य मौजूद रहे।

स्मॉल वंडर पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिक उत्सव मनाया गया हर्षोल्लास से

रंगारंग कार्यक्रमों की हुई प्रस्तुति, मेधावी बच्चों को स्कूल का सबसे उच्च पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : सेक्टर 16-17 स्थित स्मॉल वंडर पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिक उत्सव चौधरी रणबीर सिंह आडिटोरियम, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह से मनाया गया। समारोह की सभी प्रस्तुतियों का केन्द्र अभिव्यक्ति रहा। बच्चों ने देश, बचपन, कॉमेडी, भक्ति आदि पर आधारित एक से बढकर एक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कर 2000 के लगभग उपस्थित मेहमानों एवं अपने माता पिता का मन मोह लिया। गणेश वंदना से शुरू हुआ कार्यक्रम का काफ्लिा ऐसे चलता रहा कि पता ही नही चला कि कब अपने अन्तिम चरण में पहुँच गया। विद्यालय प्रधानाचार्या के द्वारा समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथी तथा अभिभावकों का स्वागत किया गया व विद्यालय की रिर्पोट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का आगाज गणेश वंदना से हुआ फिर कार्यक्रम की कड़ी में, अम्ब्रेला डाँस, तारक मेहता का उल्टा चश्मा पर कॉमेडी डांस, तितली के जीवन पर आधारित नृत्य, कैसे हमने अग्रेजों से अपना लगान माफ करवाने की थीम पर नृत्य, जंगल नृत्य, शिव तांडव, रक्त चरित्र नृत्य तथा आज की पाँच कन्याओं पर आधारित एक बहुत ही सुंदर नाटक पर बच्चों ने सभी का ध्यान आकर्षित कर तालियाँ बटौरी। इसी कडी को आगे बढाते हुए अनेकता में एकता, हिन्दुस्तान मेरी जान, योगा शो, माईम शो, हॉलिवुड डाँस तथा मेरा देश मेरा अभिमान आदि तक चला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, मेयर श्री गौतम सरदाना तथा आईएएस, कमिश्नर एम.सी., हिसार श्री प्रदीप दहिया रहे। शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। स्कूल के मेधावी बच्चों को स्कूल का सबसे उच्च पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अंत में प्राचार्या श्रीमती कमलेश भाकर तथा प्रंबधक श्री वी.के अरोड़ा ने श्री कमल गुप्ता, श्री गौतम सरदाना, श्री प्रदीप दहिया तथा आये हुए सभी मेहमानों, सभी अभिभावको का धन्यवाद किया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

फ्री मेडिकल कैम्प में मंत्री व मेयर पहुंचे, 415 रोगियों को जांचा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : सर्व समाज मोक्ष धाम ट्रस्ट, 12 क्वार्टर के तत्वाधान में विगत दिवस मोक्ष धाम आश्रम में लगाये गये फ्री मेडिकल चेकअप कैम्प में 11 डॉक्टरों की टीम ने 415 रोगियों की जांच की व लैब टैस्ट के साथ दवाईयां भी निःशुल्क वितरित की। ट्रस्ट के प्रवक्ता ने बताया कि कैम्प में मुख्यातिथि के रुप में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता उपस्थित हुए। अध्यक्षता नगर निगम के मेयर गौतम सरदाना ने की। दोनों अतिथियों ने कैम्प का शुभारंभ करने के बाद डॉक्टरों व रोगियों से बातचीत की। संस्था की ओर से अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किये गये। ग्रीन हिसार फिट हिसार और प्रयत्न एनजीओ के सहयोग से लगाये गये इस कैम्प में डॉ. पुनीत गोयल मेडिसिन, डॉ. मीनाक्षी बंसल महिला रोग विशेषज्ञ, डॉ. नेहा गोयल दंत चिकित्सक, डॉ. चेतना बंसल त्वचा रोग विशेषज्ञ, डॉ. अंकित मदान हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. सुनील सैनी बवासीर रोग विशेषज्ञ, डॉ. अजीत टेलटिया बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ. नरेश जांगड़ा फिजियोथैरेपिस्ट, सत्यपाल अग्रवाल लाइफ काउंसलर आदि ने अपनी सेवाएं दी। ट्रस्ट के सदस्यों के अलावा अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

बुर्जुगों की आँखों की फ्री जांच निस्वार्थ सेवा एक वरदान है : राजेंद्र अग्रवाल

अणुव्रत समिति ने गांव सरसाना में लगाया आंखों का तीसरा विशाल निःशुल्क जांच शिविर, 128 लोगों के आंखों की जांच की, 30 रोगियों के आखों के ऑप्रेशन के लिए किया चयन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : अणुव्रत समिति हिसार द्वारा अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण के सुशिष्य तपोमूर्ति मुनि श्री पृथ्वीराज के पावन आशीर्वाद से समिति अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में गांव सरसाना में आंखों का तीसरा विशाल निःशुल्क जांच शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ सरसाना की पूर्व सरपंच सुषमा देवी और पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रोहतास कासवां ने किया। इस शिविर में गीतांजलि हस्पताल की वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजुला और वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक गुप्ता के मार्गदर्शन में विशाल आंखों का निशुल्क चैकअप शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आंखों के 128 से अधिक मरीजों के आंखों की जांच की गई और 30 लोगों को आप्रेशन के लिए चुना गया। 32 मरीजों को चश्मे के नंबर दिए गए। शिविर में आंखों की दवा निःशुल्क दी गई। अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने शिविर में आए चिकित्सकों व गांव के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत व धन्यवाद किया। शिविर के आयोजन में समाजसेवी मेवा सिंह गढ़वाल का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि समिति द्वारा पूरे देश में अणुव्रत वाहनी द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत इस शिविर का आयोजन किया गया है। इससे पूर्व भी समिति द्वारा अनेक सामाजिक गतिविधियां आयोजित करवाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में विशेष तौर पर बढ़ती उम्र में बुजुर्गों को आंखों व दिखाई देने संबंधी समस्या बढ़ जाती है। ऐसे बुजुर्गों को ऑप्रेशन के लिए चुना गया है शिविर में पहुंचे चिकित्सकों को समिति की ओर से अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन मंत्री दर्शन लाल शर्मा ने किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, दर्शन लाल शर्मा मंत्री, गांव सरसाना के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रोहताश कासवां, मेवा सिंह गढ़वाल, नेक मोहम्मद, शिवम, मनोज कुमार, प्रीति, सुनीता व गांव के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

2022 अभी तक का सबसे गर्म वर्ष : डॉ. ढींडसा

पाठकपक्ष न्यूज

सिरसा, 27 नवम्बर : अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं जननायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ सिरसा के महानिदेशक डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में लोगों के अस्तित्व को तेजी से प्रभावित कर रहा है और अगर वैश्विक औसत तापमान वर्तमान में 2 डिग्री सेल्सियस से कम तक बढ़ता रहा तो सदी के मध्य तक गर्मी से संबंधित मौतों में 370 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर 'लैंसेंट काउंटडाउन' की 2023 रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग परिदृश्य के तहत, गर्मी से संबंधित श्रम हानि में 50 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है और अकेले गर्मी की लहरों के कारण 524.9 मिलियन अतिरिक्त लोगों को मध्यम गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

डॉ. ढींडसा ने आगे कहा कि लांसेट आयोग के अनुसार 2023 में, दुनिया ने 1,00,000 से अधिक वर्षों में सबसे अधिक वैश्विक तापमान देखा और 2022 तक सभी महाद्वीपों में गर्मी के रिकॉर्ड टूट गए। 65 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों और एक वर्ष से कम उम्र के शिशुओं को 1986-2005 की तुलना में अब दोगुने 'हीटवेव दिनों' का सामना करना पड़ रहा है। नए विश्लेषण से पता चलता है कि 2020 में स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करने वाले उच्च तापमान वाले दिनों में 60 प्रतिशत से अधिक दिन मानवजनित जलवायु परिवर्तन के कारण दोगुने से अधिक हो गए और 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से संबंधित मौतों में 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने आगे बताया कि जलवायु परिवर्तन उन प्राकृतिक प्रणालियों को भी नुकसान पहुंचा रहा है जिन पर प्रायः लोग अच्छे स्वास्थ्य के लिए भरोसा करते हैं। अत्यधिक सूखे से प्रभावित वैश्विक भूमि क्षेत्र 1951-60 में 18 प्रतिशत से बढ़कर 2013-22 में 47 प्रतिशत हो गया, जिससे जल सुरक्षा और खाद्य उत्पादन खतरे में पड़ गये। 2021 में हीटवेव और सूखे की उच्च आवृत्ति 1981-2010 की तुलना में 127 मिलियन अधिक लोगों को मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का अनुभव करने से जुड़ी थी। निष्कर्षों से पता चलता है कि लाखों लोगों को कुपोषण और संभावित रूप से अपरिवर्तनीय स्वास्थ्य प्रभावों का खतरा है।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि बदलती जलवायु जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली संक्रामक बीमारियों के प्रसार भी को तेज कर रही है। 'अतः मानव, जीव जन्तु व कृषि पर इस के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए विश्व स्तर पर एकीकृत कदम उठाने होगे' डा. ढींडसा ने कहा।

डी. ए. वी. पुलिस पब्लिक स्कूल के छात्र का एन. एस. एस. के विभिन्न शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, हिसार के बारहवीं कक्षा के छात्र अंशुमन ने कैथल में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में सबसे अच्छे स्वयंसेवक का अवार्ड जीता। इस शिविर में आठ राज्यों के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन में से केवल 8 विद्यार्थियों को उनके अच्छे काम और प्रबंधन के लिए अवार्ड दिया गया और अंशुमन उन 8 विद्यार्थियों में से एक था। हिसार में आयोजित एन. एस. एस. के शिविर में 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें अंशुमन को उसके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और उसे एक दिन का सर्वश्रेष्ठ अधिकारी भी चुना गया। हरियाणा सरकार की ओर से क्षेत्रीय पर्वतारोहण केंद्र मैक्लोडगंज धर्मशाला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में आयोजित एडवेंचरस कैंप के लिए चुने गए 50 स्वयंसेवको में अंशुमन को भी चुना गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. इंदु शर्मा ने अंशुमन के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उसे बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय को ऐसे होनहार छात्र पर गर्व है।

WORK FROM PHONE
Learn and Earn OR Earn While You Learn Digital Marketing Business Opportunity Any Time Any Where. Most suitable for Students, Employees, Professionals, Retirees etc. If interested, WhatsApp Name, Place :
7027924000

आईडी डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने गुरुपूरब के अवसर पर किया गुरुद्वारा भ्रमण

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : आईडी डीएवी पब्लिक स्कूल के कक्षा एल.के.जी. से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपनी कक्षा अध्यापिकाओं के साथ गुरुद्वारा सिंह साहिब मॉडल टाउन हिसार का भ्रमण किया। गुरु नानक जयंती को गुरुपूरब के नाम से भी जाना जाता है। इस अवसर पर सभी छात्र अपने सिर पर रुमाल पहने हुए अत्यंत सुंदर लग रहे थे। गुरूद्वारे में विद्यार्थियों ने जपुजी साहिब का पाठ एवं गुरुवाणी सुनी। गुरुद्वारे के प्रमुख ग्रंथी साहिब ने छात्र- छात्राओं को अपने जीवन में गुरु नानक देव जी की शिक्षा को अपनाने के लिए प्रेरित किया व विद्यार्थियों को गुरु नानक देव जी से संबंधित कई अच्छी बातें बताई। गुरुद्वारे में विद्यार्थियों ने कड़ाह प्रसाद का आनंद लिया। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम गर्ग ने सब विद्यार्थियों को गुरु पर्व की शुभकामनाएँ दी और विद्यार्थियों को गुरु नानक देव जी के दिखाए हुए पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया।

Read, Watch & Subscribe
दैनिक पाठकपक्ष
डिजिटल व प्रिन्ट
SUBSCRIBE
Facebook.com/PathakPaksh
Youtube/PathakPaksh

नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में गांव खासा महाजन में मनाया गया संविधान दिवस

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : नेहरू युवा केन्द्र हिसार के तत्वावधान में युवा स्पोर्ट्स क्लब गांव खासा महाजन द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विवेकानंद लाइब्रेरी में किया गया, जिसमें पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व संविधान कि प्रस्तावना पढ़कर शपत दिलाई गई। पृथ्वी भाम्भू ने बताया कि हमारा संविधान 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन में बनकर तैयार हुआ। इसके निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर थे। 26 नवंबर 1949 को पूर्ण रूप से बनकर तैयार हुआ 26 जनवरी 1950 को इसको लागू किया गया। इसमें मुंबई आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को भी याद किया गया। इस अवसर पर मेनपाल राजपूत, सौरभ, बजरंग, रामपाल, आदित्य, रमन, सचिन, ममता, मनीषा, सुमन, बलवान कुलड़िया आदि मौजूद रहे।

अब बर्तन चाँदी से चमके

LLOYD Whirlpool VOLTAS
IFB orient electric HITACHI Inspire the Next Haier
0% Interest बिना ब्याज के
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
सबसे आकर्षक Rate !
सबसे आकर्षक Offers !
SINGLA ELECTRONICS
BETWEEN PARIJAT CHOWK AND NAGORI GATE, HISAR
M.: 94666-83396, 98136-62313

भारती विद्या मंदिर स्कूल में धूमधाम से मनाई गई गुरु नानक जयंती

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : भारती विद्या मंदिर स्कूल में गुरु नानक जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल में विशेष सभा आयोजित की गई। इस मौके पर छात्रों ने पारंपरिक पंजाबी पोशाक में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों ने शब्द और कीर्तन पेश कर समां बांधा। इसके साथ ही नाटक के माध्यम से गुरु नानक देव जी के जीवन संदेशों से सीख लेने का संदेश दिया। इसके बाद नन्हे मुन्ने बच्चों ने प्रभात फेरी निकाल शांति और भाईचारे का संदेश दिया। इस मौके पर बच्चों ने गुरुद्वारा सिंह साहब का दौरा भी किया और वहां प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती निष्ठा शर्मा ने गुरु नानक देव जी के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा महापुरुषों और महानायकों की कुर्बानी से ही देश का अस्तित्व है।अंत में उन्होंने बच्चों को जीवन में गुरुओं के सिद्धांतों पर चलने की सीख देते हुए सभी को इस उत्सव की बधाई दी।

डॉ. बलबीर सैनी
B.A.M.S. M.D. Uni. (Rohtak)
चर्म, एलर्जी, सैक्स व गुप्त रोग विशेषज्ञ
बलबीर हस्पताल
पता : पुरानी सब्जी मण्डी चौक, बड़वाली ढाणी, निकट हनुमान मंदिर, हिसार
92156-88573

नंद किशौर चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)
हिसार, हांसी से वृंदावन-मथुरा धार्मिक बस यात्रा
कोकीलावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, रमन रेती, निधिवन, प्रेममंदिर, आगरा
यात्रा आरम्भ 14 दिसंबर 2023
यात्रा वापसी 18 दिसंबर 2023
चलने का स्थान अग्रसैन भवन
सांय 10:00 बजे
1800 रु
आना जाना दो रात रूकना
अभी कॉल करें : 9467158925, 9017983609

अग्रोहा धाम में छप्पन भोग, सवामणि, भंडारा व भव्य भजन समारोह का आयोजन

सरकार को अग्रोहा मेडिकल में ट्रामा सेंटर भी बनाना चाहिए : बजरंग गर्ग

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : अग्रोहा धाम में पूर्णिमा के पावन पर्व पर छप्पन भोग, सवामणि, भंडारा, भव्य भजन समारोह व वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की एक आवश्यक मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अग्रोहा धाम में पूजा-पाठ करने से मन को शांति मिलती है और देवी-देवताओं की विशेष कृपया परिवार पर बनी रहती है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में हार्ट का ईलाज जिसमें बाईपास, हार्ट के रिंग डालने, एंजियोग्राफी आदि हर प्रकार की सुविधा करनी चाहिए जबकि गरीब व्यक्ति इस भारी भरकम महंगाई में प्राइवेट हॉस्पिटल में हार्ट का ईलाज नहीं कर सकता है। सरकारी अस्पताल में कोई मूलभूत सुविधा नहीं है इसलिए सरकार को तुरंत प्रभाव से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में हार्ट के ईलाज की हर प्रकार की सुविधा देने के साथ-साथ ट्रामा सेंटर भी बनाना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने आए हुए अतिथियों को स्मृति चिह्न देखकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भजन सम्राट मोहन तनेजा एंड टीम, अग्रोहा धाम वैश्य समाज जिला प्रधान एनके गोयल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पवन गर्ग, श्याम मंडल प्रधान सुरेंद्र बागड़ी, आनंद गोयल, जिला युवा प्रधान अनिल सिंगला मंगालीवाला, सुरेश सिंगला, बजरंग असरावां वाले, त्रिलोक कंसल, विनोद जिंदल, दुनी चंद गोयल, गजानंद गर्ग,मोनु मंगला सोनीपत, नीटु सिंगल, संजय बंसल हिसार,सोनू बंसल, नरेश बंसल, निरंजन गोयल आदि समाज के प्रतिनिधि भारी संख्या में मौजूद थे।

पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल ने प्राचीन मां चण्डके मंदिर में माथा टेककर जनकल्याण की कामना की

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : प्राचीन मां चण्डके देवी मंदिर में पहुंचकर पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल ने माता के दरबार के माथा टेककर जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मां चण्डके देवी सेवा समिति ने उनका स्वागत-सत्कार किया और मंदिर के विकास से जुड़ी योजनाओं को भी साझा किया। पंचग्रामी पाबड़ा के चबूतरे पर आयोजित भाईचारा सम्मेलन में हिस्सा लेने के साथ-साथ प्रो. छत्रपाल ने प्राचीन मां चण्डके देवी मंदिर में माता का आशीर्वाद प्राप्त करके जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर मां चण्डके देवी सेवा समिति के प्रधान जगदीश तायल, महंत आनंद शास्त्री, सुनील नारंग, बिजेंद्र किनाला, कुलदीप कुंडू, सुनील तायल, नरेश शर्मा, जयप्रकाश वर्मा, सरजीत कायत, बिजेंद्र नंबरदार, केशव कुंडू, अजय चहल, संदीप मलिक, धनराज जैन हांसी सहित काफी गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जगदीश तायल व महंत आनंद शास्त्री ने बताया कि पाबड़ा में स्थित प्राचीन मां चण्डके देवी मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है।

रोटरी सेंट्रल हिसार ने किया जरूरतमंद व्यक्तियों को रिक्शा रेहड़ी वितरण

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : सामाजिक संस्था रोटरी सेंट्रल हिसार सदा गरीब, कमजोर व जरूरतमंद लोगों की सहायता करने में हमेशा अग्रणी रहता है। इसी प्रयास के अंतर्गत इस बार दो जरूरतमंद व्यक्तियों को रिक्शा रेहड़ी प्रदान की गई ताकि वह अपनी मेहनत से उचित आजीविका अर्जित कर अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। इन दो जरूरतमंद व्यक्तियों का चयन एक उचित प्रक्रिया से किया गया जिससे सुनिश्चत हो कि वह दोनों वास्तव में जरूरतमंद एवं मेहनती हैं। इन रिक्शा रेहड़ियों से वे अपने परिवार का पालन पोषण करेंगे। इस रिक्शा रेहड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-13 की मार्केट में अनेक लोगों व रोटरी सेंट्रल हिसार के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। यह आयोजन प्रोजेक्ट चेयरमैन रो. प्रोफेसर हरीश जुनेजा व को-प्रोजेक्ट चेयरमैन रो. संदीप ग्रोवर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस आयोजन में रोटरी सेंट्रल हिसार के प्रधान रो. राकेश महता, कोषाध्यक्ष रो. कृष्ण मालिक, रो. रवि महता, रो. अशोक ग्रोवर, रो. आर.एस. खन्ना, रो. विकास ठकराल, रो. प्रोफेसर पी.पी. तनेजा, रो. सुनील मलिक, रो. संजीव खुराना, रो एस.के. महता, रो. नवीन खुराना, रो. सौरभ उथरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। रोटरी सेंट्रल हिसार भविष्य में भी ऐसे सामाजिक भलाई के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

पीएम मोदी चुनावों में मस्त लेकिन उत्तराखंड टनल में फंसे मजदूरों की जिंदगी राम भरोसे छोड़ी : इन्दल

भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी ने उठाई मांग, केंद्र सरकार उत्तराखंड टनल में फंसे मजदूरों को हर हाल में जल्द करें रेस्क्यू

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के नेताओं बजरंग इन्दल, संतलाल अंबेडकर,अमित जाटव और प्रदीप यादव ने आरोप जड़ते हुए कहा कि उत्तराखंड की सिलव्यारा- डंडारगांव टनल में फंसे 41 मजदूरों की बीजेपी नीत राज्य और केंद्र सरकार मिलकर भी सार्थक मदद नही कर पा रहे है। टनल में फंसे ये गरीब, बेबस मजदूर पिछले 15 दिनों से मौत के मुंह में बैठे है। लेकिन उत्तराखंड और केंद्र सरकार दोनों ही इन गरीब मजदूरों से उदासीनता बनाए हुए है। हालत ऐसे हो गए है की मजदूरों के परिजनों का राज्य और केंद्र सरकार से विश्वास उठ गया हैं। इतना ही नही पूरी दुनिया देख रही है की राज्य सरकार की विफलता के बाद केंद्र सरकार कितना कारगर कदम टनल में फंसे इन मजदूरों को निकालने में उठाएगी। गरीब हितेषी होने का दावा करने वाले पीएम मोदी को इस टनल रेस्क्यू ऑपरेशन स्थल पर जाकर जायजा लेना चाहिए। लेकिन पीएम अन्य राज्यों के चुनावों में मस्त है और वहां गरीबों को चुनावी रेवड़ियां बांट रहे है। पीएम की दिखावटी मीठी चुपड़ी और मन की बातों से जनता ऊब चुकी है। इन्दल ने कहा कि इतना बड़ा हादसा पूरे देश की सांसे रोके खड़ा है। लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक उस कंपनी के खिलाफ कोई कड़ा कदम नही उठाया है। इन्दल ने कहा कि पीएम मोदी जब श्रेय लेने के लिए इसरो सेंटर जा सकते है, क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच में पहुंच सकते है तो पीएम को उत्तराखंड की इस टनल स्थल पर भी जाना चाहिए। केवल गरीब होने की वजह से इन मजदूरों की जिंदगी राम भरोसे छोड़ना सही नही है।

छुपी मुस्कान फाऊंडेशन की पांचवीं वर्षगांठ 30 नवम्बर को जिमखाना में मनाई जाएगी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : गरीब बस्तियों की झुग्गी-झोपडियों में रहने वाले बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने की दिशा में काम कर रही छुपी मुस्कान फाऊंडेशन की पांचवी वर्षगांठ 30 नवम्बर को दोपहर 2 से 4 बजे तक जिमखाना क्लब में मनाई जाएगी। संस्था के संस्थापक सदस्य आशीष लावट ने बताया कि छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे। शहर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हर्षोल्लास से वर्षगांठ मनाई जाएगी। बच्चों का सम्मान भी किया जाएगा। गौरतलब है कि छुपी मुस्कान फाउंडेशन ने पांच वर्षों में विभिन्न सेक्टरों में बसी झुग्गियों में रहने वाले सैंकड़ों बच्चों को पढने लायक बनाया। अनेक बच्चों का स्कूलों में दाखिला करवाकर उनका खर्च वहन किया। बच्चों और महिलाओं के साथ बुजुर्गों का शहर के अस्पतालों में इलाज करवाया जाता है। इस मुहिम में कई डॉक्टर्स जुड़े हुए हैं, जो कभी एक भी पैसा नहीं लेते। महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर सैनेटरी पैड तथा सिलाई कढ़ाई के लिए सिलाई मशीनें भी वितरित की गई हैं। संस्था की टीम के संस्थापक सदस्यों में आशीष लावट, नीलम सुंडा, उर्मिला बूरा, युविका सिंह, नीना चावला, ज्योति ग्रोवर, मनु बजाज, सुमन दुग्गल, सुमन बत्रा, पूजा लावट, आदिल चहल आदि शामिल हैं। छुपी मुस्कान फाउंडेशन का केवल एक ही उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा बिना शिक्षा के न रहे। टीम के सदस्य केवल एक ही प्रयास में रहते हैं कि किस तरह बच्चे के अंदर छिपी हुई मुस्कान को उसके चेहरे पर लाई जा सके। टीम के सदस्यों द्वारा ही सभी तरह का खर्च किया जाता है।

डॉ सचिन मित्तल ने डीपीएस में डेंटल चैकअप और जागरूकता कैंप लगाया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : स्माइल फॉर यूथ कार्यक्रम जारी रखते हुए डॉ सचिन मित्तल एडवांसड डेंटिस्ट्री ने दिल्ली पब्लिक स्कूल (जूनियर) में निशुल्क डेंटल चैकअप एवं जागरूकता कैंप लगाया। कैंप में टीम से डॉ नेहा बंसल और डॉ प्रियंका ने अपनी सेवाएं दी। कैंप में बच्चों के दांतों की जांच की गई और उन्हें ओरल हेल्थ के बारे में बताया गया। बच्चों को दांतों से संबंधित बीमारियों और उनकी देखभाल से अवगत कराया गया। डॉक्टरों ने उन्हें टुथब्रश करने का सही तरीका समझाया। डॉ सचिन मित्तल ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम काफी समय से चला रहे हैं। उनका क्लीनिक नभ प्रमाणित है और नई तकनीक से सुसज्जित है। उनकी टीम आगे भी इसी तरह के जागरूकता कैंप लगाती रहेगी।

बौद्धिक दिव्यांग जनों को निःशुल्क टीएलएम किट देने के लिये दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट ने आवेदन मांगे

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 नवम्बर : दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजनों के पुनर्वास के लिये समाज सेवा के तौर पर बहुत से कार्य किये जा रहे हैं जिसमें विशेष शिक्षा, स्पीच थैरेपी, भौतिक व व्यवसायिक थैरेपी, संगीत प्रशिक्षण, उपकरण व सहायक सामग्री जोकि पुनर्वास व एक सामान्य जीवन की तैयारी के गतिविधि कर रही है। संस्था मनोविज्ञान से सम्बंधित बिंदुओं पर भी अपना कार्य प्रेम व निष्ठा भाव से सेवाएं प्रदान कर रही है। मनोविज्ञान के क्षेत्र में परामर्श कार्य जिसमें तनाव, एंजाईटी, अभिभावक परामर्श व व्यावहारिक समस्याओं पर अपना कार्य कर रही है। संस्था संस्थापिका संजू वर्मा ने बताया कि केंद्रीय सरकार की एडिप स्कीम के तहत बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क टीएलएम किट के लिये आवेदन भरवाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि टीएलएम किट के लिये बौद्धिक दिव्यांग बच्चे को संस्था में आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र (बौद्धिक अक्षमता), आय प्रमाण पत्र (22 हजार रु. मासिक) के अलावा चाप पासपोर्ट साइज फोटो जमा करवाने होंगे। संस्था उपरोक्त दस्तावेज के आधार पर बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को एडिप मुख्यालय से निःशुल्क टीएलएम किट दिलवाने का कार्य करेगी। सभी बौद्धिक दिव्यांग बच्चे टीएलएम किट प्राप्त करने के लिये संस्था कार्यालय डीएसएस-124, सेक्टर 15, हिसार में दस्तावेज जमा करवाये। किसी भी जानकारी के लिये 8221887001 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल हांसी में रही नवरस वार्षिक उत्सव की धूम

पाठकपक्ष न्यूज

हांसी, 27 नवम्बर : विगत दिवस श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल हांसी में नवरस वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के संस्थापक परम श्रद्धेय स्वामी सदानंद जी महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सवर्प्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। नवरस पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यालय के 650 विद्यार्थियों ने अलग-अलग थीम के अनुसार अपने- अपने कार्यक्रम की मनमोहक वह प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। शांत रस पर आधारित कबीर के दोहों से विद्यार्थियों ने शांत रस की अनुभूति करवाई। सभी विधार्थी अलग- अलग वेशभूषा में सबको सम्मोहित कर रहे थे। अलग-अलग नृत्य के माध्यम से छात्रों ने विभिन प्रान्तों जेसे हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, की संस्कृति को दर्शाते हुए मनभावन प्रस्तुति दी कक्षा नर्सरी से दूसरी के नन्हे-मुन्ने छात्रों ने वेस्टर्न डांस, जोकर डांस, जंगली डांस किया उसके बाद रास-लीला, शिव तांडव, हनुमान चालीसा, झांसी की रानी, घोस्ट डांस, करुण रस को दिखाते हुए अध्यापिकाओं ने भी शानदार प्रस्तुति दी। गणेश वंदना तथा सरस्वती वंदना, फनी डांस, योगा व कराटे ड्रिल के माध्यम से बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जज ज्योति मेम व सब तहसीलदार नवनीत कोर अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्य भी उपस्थित थे। स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यगण एम. एल ए. व अन्य गणमान्य अतिथि परम श्रद्धेय स्वामी जी ने अपने संभाषण के द्वारा सभी छात्रों व उपस्थित सदस्यों को अपने आशीर्वाद वचनों से सम्बोधित किया। मुख्याध्यापिका पिंकी यादव ने गुरु जी एवं अन्य गण-मान्य अतिथि गणों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हुए विद्यालय की उपलब्धियों को दर्शाया। कार्यक्रम की समाप्ति से पहले अंत तक कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले दो छात्रों और उनके अभिभावकों को लक्की ड्रा के द्वारा विजेता घोषित करते हुए प्रथम पुरस्कार के रूप में कक्षा नौवीं की छात्रा रितु को साइकिल दी एवं द्वितीय पुरुस्कार के रूप में कक्षा पांचवीं की छात्रा रिया को सूट केस दिया गया। अंत में चैयरमेन श्री राजपाल यादव जी ने गुरुजी व सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपना कीमती समय निकाल कर विद्यालय के कार्यक्रम की शोभा बढाई। अंत में राष्ट्रगान द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी चन्द्रबाला द्वारा 33-एस माडल टाउन, हिसार से प्रकाशित एवं सूचना प्रिंटर्स 33-एस, माडल टाउन, हिसार से मुद्रित।

सम्पादक : आशीष मलिक
उप-सम्पादक : मनोज कुमार

विजय कुमार : 98964-72584
श्याम नागपाल : 92552-73410
संचित मलिक रिपोर्टर हांसी
98960-38818

Email : dailypathakpaksh@yahoo.in

कानूनी सलाहकार- प्रवीर आर्य (9996055500)

किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।

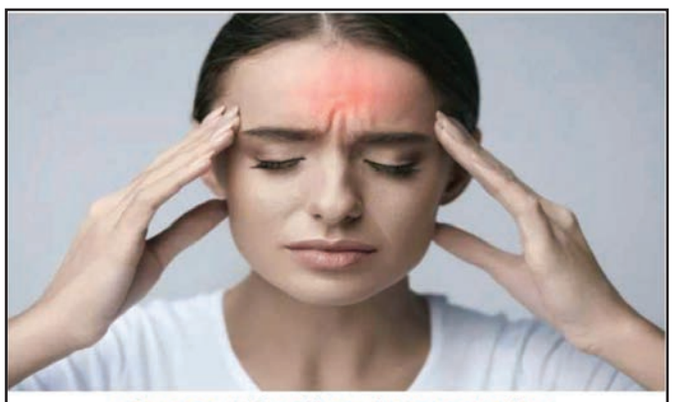

• Stress / Anxiety / Depression
Headache / Migraine

अगर आप तनावग्रस्त है । आप डॉक्टर से संपर्क करें ।

• Dr. Aman Mehta
NeuroPsychiatry Consultation

Dr. Mehta's Holy Hospital. Dabra Road. Hisar

For Appointment - 89305-62088,98120-84558